आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार एकांश
देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 08.10.2025
समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने सीमांत क्षेत्रों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की परीक्षा में पेपर लीक मामले पर कहा– सरकार इस प्रकरण की जल्द से जल्द जांच पूरी करने के लिए गंभीरता से प्रयासरत है।
- सरकारी बैंकों ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना के अन्तर्गत अब तक दस हजार नौ सौ करोड़ रुपये के पांच लाख से अधिक ऋण आवेदनों को मंजूरी दी।
- **और,** कुमाऊँ विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी निजी महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति अब बायोमेट्रिक प्रणाली से दर्ज की जाएगी।

राज्यपाल संबोधन

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने सीमांत क्षेत्रों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि विकास और सुरक्षा एक–दूसरे से जुड़े हैं और जब सीमांत क्षेत्र सशक्त और आत्मनिर्भर होंगे, तभी सीमाएं सुरक्षित रह सकेंगी।
राज्यपाल नई दिल्ली में यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जिसे विदेश मंत्रालय के सामरिक विचार मंच और यूएसआई ने संयुक्त रूप से आयोजित किया था। उन्होंने "भारत की सामरिक दृष्टि में उत्तराखण्ड का विकास और सुरक्षा" विषय पर अपने विचार साझा किए।

राज्यपाल ने कहा कि हिमालयी सीमांत क्षेत्रों का विकास केवल सामाजिक या आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। सीमांत गांवों में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य केंद्र और अन्य सुविधाओं का विस्तार देश की सामरिक सुरक्षा को मजबूत करता है। उन्होंने भारत–चीन–नेपाल सीमा से लगे 30 से अधिक गांवों के अपने दौरों का उल्लेख करते हुए कहा कि सीमांत क्षेत्रों में लोगों की सोच और आत्मविश्वास में सकारात्मक बदलाव आया है। स्थानीय उद्यमिता, होम–स्टे, हस्तशिल्प, जैविक खेती और महिला स्वयं–सहायता समूहों की गतिविधियों से न केवल पलायन कम हुआ है बल्कि रिवर्स पलायन को भी प्रोत्साहन मिला है।

राज्यपाल ने हिमालयी परिस्थितियों के अनुरूप समाधान विकसित करने और सशस्त्र बलों, शिक्षण संस्थानों, अनुसंधान केंद्रों व नागरिक प्रशासन के बीच समन्वय बढ़ाने पर बल दिया।

मुख्यमंत्री साक्षात्कार / बयान

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की 21 सितंबर को हुई परीक्षा में पेपर लीक मामले पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार इस प्रकरण की जल्द से जल्द जांच पूरी करने के लिए गंभीरता से प्रयासरत है।

एक निजी समाचार चैनल को दिए गए साक्षात्कार में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह घटना एक योजनाबद्ध षडयंत्र का हिस्सा थी, जिसे कुछ लोगों ने भर्ती प्रक्रिया को बदनाम करने के उद्देश्य से अंजाम दिया।

मुख्यमंत्री धामी ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार ऐसी घटनाओं को कतई बर्दाश्त नहीं करेगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

लड़ी धुरा महोत्सव

चम्पावत जिले के बाराकोट में आयोजित छह दिवसीय लड़ी धुरा शैक्षिक एवं सांस्कृतिक महोत्सव का समापन देवीरथों के मुख्य मंदिर पहुँचने के साथ हुआ। 2 अक्टूबर से शुरू हुए इस महोत्सव में वाद–विवाद, प्रश्नमंच, प्रश्नोत्तरी, निबंध, भाषण जैसी प्रतियोगिताओं के साथ राज्यस्तरीय वॉलीबॉल, नशामुक्ति दौड़, घड़ाफोड़ और खो–खो जैसे खेलकूद आयोजन किए गए।

सांस्कृतिक संध्याओं में स्थानीय कलाकारों के साथ राज्य सरकार के पजीकृत दलों ने आकर्षक प्रस्तुतियाँ दीं। अंतिम दिन बाराकोट और पमदा के भगवती अवतरित देवीरथ भारी वर्षा के बीच मुख्य मंदिर लड़ी धुरा पहुँचे, जिसके साथ ही महोत्सव का विधिवत समापन हुआ। इस अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालु माँ भगवती के जयकारों के साथ उनके दर्शन और पूजन के लिए उपस्थित रहे।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना–आवेदन स्वीकृत

केंद्र सरकार ने कहा है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत सरकारी क्षेत्र के बैंकों ने 10 हजार 977 करोड़ रुपये की राशि के पाँच लाख से अधिक ऋण आवेदन स्वीकृत किए हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पिछले साल फरवरी में शुरू की गई पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की भागीदारी से कई सुधार किए गए हैं। इन सुधारो में सह आवेदकों को शामिल करना और योजना में क्षमता आधारित सीमाओं को हटाना शामिल है। इस पहल से इस योजना के लिए ऋण प्रपात करना सरल हुआ है और योजना का लाभ अधिक लोगों तक पहुंचा है। इस योजना को सरल बनाने और बिना संपत्ति के गारंटी के कम ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध कराने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा सहायता की जा रही है। ऋण को ऑनलाइन जन सामर्थ पोर्टल के माध्यम से प्रोसेस किया जाता है जिससे लाभार्थियों के लिए एक सरल डिजिटल और त्वरित अनुभव निश्चित होता है। यह पहल उन घरों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई है जो रूफटॉप सोलर पैनल लगाने के लिए ऋण प्राप्त करेंगे।

प्रतिबंधित कफ सिरप पर कार्रवाई

केंद्र सरकार की गाइडलाइन के तहत बच्चों के लिए प्रतिबंधित कफ सिरप पर कार्रवाई तेज करते हुए उत्तराखंड सरकार ने प्रदेशभर में औचक निरीक्षण अभियान शुरू किया है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग–एफडीए की टीमें मेडिकल स्टोरों और शिशु रोग अस्पतालों के मेडिकल स्टोरों की जांच कर रही हैं।

देहरादून क्षेत्र में औषधि विभाग ने कई मेडिकल स्टोरों से Dextromethorphan Hydrobromide, Chlorpheniramine Maleate और Phenylephrine Hydrochloride युक्त पीडियाट्रिक कफ सिरप जब्त किए हैं। इन सिरप के छह नमूने परीक्षण के लिए राज्य औषधि प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

अपर आयुक्त, एफडीए, और ड्रग कंट्रोलर ताजबर सिंह जग्गी ने बताया कि निरीक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रदेश में केवल अनुमोदित और सुरक्षित औषधियाँ ही बेची जाएं। विभाग ने चेतावनी दी है कि बिना अनुमति या प्रतिबंधित दवाइयाँ बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता प्रदेशवासियों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण औषधियाँ उपलब्ध कराना है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए अभियान जारी रहेगा और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आका□ावाणी समाचार देहरादून के लिये समाचार कक्ष से पंकज सनवाल खुल्बे।

बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य

कुमाऊँ विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद ने निर्णय लिया है कि विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी निजी महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति अब बायोमेट्रिक प्रणाली से दर्ज की जाएगी।

विश्वविद्यालय प्रशासन समय–समय पर इन महाविद्यालयों का औचक निरीक्षण करेगा ताकि इस व्यवस्था का सही अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। कुलपति प्रोफेसर दीवान रावत ने कहा कि नियमित उपस्थिति विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास की आधारशिला है। बायोमेट्रिक प्रणाली लागू होने से पारदर्शिता बढ़ेगी, अनुशासन सुदृढ़ होगा और शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार आएगा।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय, शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके तहत न केवल उपस्थिति व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है, बल्कि शिक्षण के आधारभूत ढांचे, अनुसंधान संस्कृति और नैतिक मूल्यों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। कुलपति ने सभी निजी महाविद्यालयों के प्राचार्यों को निर्देश दिए हैं कि वे शीघ्र बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली लागू करें और विद्यार्थियों को नियमित उपस्थिति के लिए प्रेरित करें।

मौसम

चारधाम सहित राज्य के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी और निचले इलाकों में बारिश से प्रदेश में ठंड ने दस्तक दे दी है। उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग और पिथौरागढ़ के ऊंचाई वाले हिस्सों में बर्फबारी हुई है। अचानक मौसम बदलने से तापमान में उल्लेखनीय गिरावट आई है।

इस बीच, प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में आज भी हल्की बारिश का दौर जारी है। मैदानी क्षेत्रों में हुई बारिश से सुबह शाम ठंड महसूस होने लगी है।

इधर, मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि इस वर्ष प्रदेश में लंबी और कठोर सर्दी पड़ेगी। पंतनगर विश्वविद्यालय के मौसम विशेषज्ञ ए.एस. नैन के अनुसार, दिसंबर से ला–नीना प्रभाव दिखना शुरू होगा, जिससे तापमान में लगातार गिरावट आएगी और पहाड़ी इलाकों में कड़ाके की ठंड पड़ेगी।